

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1971/वोध 12, 1892

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1971/PAUSA 12, 1892

इस भाग में भिन्न-वृद्ध संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सक।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the
Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 17th December 1970

S.R.O. 1.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Amritsar from the wards noted against each:—

1. Shri Gurcharan Dass—Ward No. I.
2. Shri Rattan Chand—Ward No. II.
3. Shri Kishan Singh—Ward No. III.
4. Shri Joginder Pal—Ward No. IV.

[File No. 29/29/C/L&C/66/4128-C/D(Q&C).]

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1970

का० नि० आ० 1.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, अमृतसर के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी बौडों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

- | | |
|-----------------------|---------------|
| 1. श्री गुरचरण दास | वार्ड नं० I |
| 2. श्री रतन चन्द | वार्ड नं० II |
| 3. श्री किशन सिंह | वार्ड नं० III |
| 4. श्री जोगिन्द्र पाल | वार्ड नं० IV |

[फाइल नं० 29/29/सी०/एल० एण्ड सी०/66/4128-सी०/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

New Delhi, the 18th December 1970

S.R.O. 2.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Kamptee from the wards noted against each:—

1. Shri Deshkar Manohar Rao—Ward No. I.
2. Smt. Pushpamala—Ward No. II.
3. Shri Madanlal—Ward No. III.
4. Vohra D. S. (Retd. Col.)—Ward No. IV.
5. Shri Meshram Ramdas—Ward No. V.

[File No. 29/81/C/L&C/70/4129-C/D(Q&C).]

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1970

का०नि०आ० 2.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, काम्प्टी के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी बाड़ों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| 1. श्री देशकर मनोहर राव | बाड़ नं० I |
| 2. श्रीमती पुष्पा माला | बाड़ नं० II |
| 3. श्री मदन लाल | बाड़ नं० III |
| 4. वोहरा डी० एम० (निवृत्त कर्नल) | बाड़ नं० IV |
| 5. श्री मेगलम रामदास | बाड़ नं० V |

[फाइल नं० 29/81/सी०/एल०एण्डसी०/70/4129-सी०/डी० (क्यू०एडसी०)]

New Delhi, the 21st December 1970

S.R.O. 3.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Dehu Road from the wards noted against each:—

1. Shri Shelar Kashinath Mahadeo—Ward No. I.
2. Shri Bhosle Dattatray Pandurang—Ward No. II.
3. Shri Shaha Hlrachand Jivraj—Ward No. III.
4. Shri K. P. Abooseth Mohamed—Ward No. IV.
5. Shri Syal Dharmvir—Ward No. V.
6. Shri Jadhav Uttamrao Maruti—Ward No. VI.
7. Shri Zende Raghunath Shripati—Ward No. VII.

[File No. 29/54/C/L&C/66/4178-C/D(Q&C).]

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1970

का०नि०आ० 3.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, देहुरोड के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने लिखी बाड़ों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| 1. श्री शेलार काशिनार्थ महादेव | बाड़ नं० I |
| 2. श्री भोमले दत्तात्रय पांडुरंग | बाड़ नं० II |
| 3. श्री शहा हिराचन्द जीवराज | बाड़ नं० III |
| 4. श्री के० पी० आंबूसैठ मोहमद | बाड़ नं० IV |
| 5. श्री सियाल धर्मवीर | बाड़ नं० V |
| 6. श्री जाधव उत्तमराव मारुती | बाड़ नं० VI |
| 7. श्री जेन्डे रघुन श्रीपती | बाड़ नं० VII |

[फाइल नं० 29/54/सी०/एल०एण्डसी०/66/4178-सी०/डी० (क्यू०एडसी०)]

S.R.O. 4.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Saugor by reason of the expiry of the term of office of Major R. D. Nikam as a member of that Cantonment Board.

[File No. 19/6/C/L&C/65/4155-C/D(Q&C).]

क्रा०नि०प्रा० 4.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा 7 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड साँगर की सदस्यता में, मेजर आर० डी० निकाम की उस छावनी बोर्ड के सदस्य के रूप में पदावधि के अवसान के कारण, रिक्ति हो गई है।

[फा० सं० 19/6/सी/एल एण्ड सी/65/4155-सी/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 5.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major R. D. Nikam has been renominated as member of the Cantt Board, Saugor under Section 13(3)(e) of the said Act, against the vacancy caused on account of expiry of his term of office.

[File No. 19/6/C/L&C/65/4155-C-1/D(Q&C).]

क्रा०नि०प्रा० 5.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा 7 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर आर० डी० निकाम को, उसकी पदावधि के अवसान के कारण हुई रिक्ति में, उक्त अधिनियम की धारा 13(3) (उ) के अधीन 11 बोर्ड साँगर के सदस्य के रूप में पुनः नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फा० सं० 19/6/सी/एल एण्ड सी/65/3155-सी-1/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 6.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that vacancy has occurred in membership of the Cantonment Board, St. Thomas Mount by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major R. P. Reddy.

[File No. 19/5/C/L&C/65/4154-C/D(Q&C).]

क्रा०नि०प्रा० 6.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, सेंट थोमस माउंट की सदस्यता में मेजर आर० पी० रेड्डी के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/5/सी०/एल० एण्ड सी०/65/4154-सी/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 7.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Captain P. R. Aiyar has been nominated as a member of the Cantonment Board, St. Thomas Mount vice Major R. P. Reddy who has resigned.

[File No. 19/5/C/L&C/65/4154-C-1/D(Q&C).]

क्रा०नि०प्रा० 7.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि कैप्टन पी० आर० अय्यर को, मेजर आर० पी० रेड्डी के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड सेंट थोमस माउंट के एक सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/5/सी०/एल० एण्ड सी०/65/4154-सी-1/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

New Delhi, the 22nd December 1970

S.R.O. 8.—In exercise of the powers conferred by Section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Cantonment Board, Bakloh, with the previous

sanction of the Central Government hereby makes the following further amendment in notification of Government of India in the Ministry of Defence No. 374, dated 18th September 1954, namely:—

For Schedule to the said notification, the following Schedule shall be substituted, namely:—

THE SCHEDULE

- | | |
|--|---|
| 1. Motor car (including taxies and other passenger carrying vehicles except motor cycle. | 75 paise per passenger subject to the minimum of Ps. 3.00 per vehicle in case of car and Rs. 7.50 in case of bus or lorry provided that a taxi or passenger lorry or a bus which is entirely empty except for the driver and cleaner (if any) shall pay a tax of Rs. 1.50 only. |
| 2. Goods Vehicles | |
| (i) Laden. | Rs. 7.50 |
| (i) Entirely unladen. | Rs. 1.50 |

[File No. 53/4/C/L&C/67/4122-C/D(Q&C).]

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1970

क्रा० नि० प्रा० 8—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छावनी बोर्ड बकलोह एतद्द्वारा केन्द्रीय सरकार की पूर्व मजूरी के साथ भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० 374, तारीख 18 सितम्बर, 1954 में और आगे संशोधन करती है। अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी। अर्थात्:—

अनुसूची

- 1—मोटर कार (जिसमें टैक्सी भी सम्मिलित हैं) और मोटर-साईकिल को छोड़कर अन्य यात्री ले जाने वाले यान कार की दशा में न्यूनतम 3.00 प्रति यान के अन्वर्धन 75 पैसे प्रति यात्री और बस-या लारी की दशा में 7.50 परन्तु यह कि एक टैक्सी या यात्री-लारी या ऐसी बस जो चालक और क्लीनर को छोड़कर (यदि कोई हों) पूर्णतः रिक्त हो केवल 1.50 रु० कर देगी।

2—माल यान

- (i) लदे रु० 7.50
(ii) पूर्णतः बिना लदे रु० 1.50

[फाइन सं० 53/4/सी/एल और सी/67/4122-सी/डी (क्वू और सी)]

S.R.O. 9.—In pursuance of sub-section (7) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the

following persons to the Cantonment Board, Shahjahanpur from the wards noted against each:—

1. Shri Ram Charan Lal—Ward No. I.
2. Shri Ramesh Chander Srivastava—Ward No. II.
3. Shri Chironji Lal—Ward No. III.
4. Shri Ajit Singh—Ward No. IV.
5. Shri Om Narain Saxena—Ward No. V.

[File No. 29/71/C/L&C/66/4157-C/D(Q&C).]

S. P. MADAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1970

फा०नि०मा० 9.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अन्तःकरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, शाहजहाँपुर के निम्नलिखित व्यक्त उनके सामने लिखी वाडों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुये हैं:—

- | | |
|-------------------------------|-----------|
| 1—श्री राम चरण लाल | वाड नं० 1 |
| 2—श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव | वाड नं० 2 |
| 3—श्री विरोजी लाल | वाड नं० 3 |
| 4—श्री अजीत सिंह | वाड नं० 4 |
| 5—श्री ओम नारायण सक्सेना | वाड नं० 5 |

[फाइल नं० 29/71/पी०/एन० एण्ड सी०/66/4157-सी/डी(क्यू एण्ड सी)]

एन० पी० मदान, अवर सचिव।

New Delhi, the 22nd December 1970

THE ARMED FORCES HEADQUARTERS STENOGRAPHERS' SERVICE RULES, 1970.

S.R.O. 10.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August 1969.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires.—

(a) "appointing authority" in relation to any Grade means the authority empowered under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, to make appointments to that Grade; 5

(b) "appointed day" means the 1st day of August, 1969;

"(c) approved service" in relation to any Grade means the period of periods of service in that Grade rendered after selection, according to prescribed procedure for long-term appointment to the Grade, and includes any period or periods during which an officer would have held a duty post in that Grade but for his being on leave or otherwise not being available for holding such post;

(d) "authorised permanent strength" in relation to any Grade means the strength of permanent posts in that Grade against which substantive appointments may be made;

(e) "Commission" means the Union Public Service Commission;

(f) "direct recruit" means a person recruited to Grade II on the basis of a competitive examination held by the Commission;

(g) "duty post" in relation to any Grade means a permanent or temporary post of that Grade;

(h) "Government" means the Central Government;

(i) "Grade" means any of the Grades specified in rule 3;

(j) "long-term appointment" means appointment for an indefinite period as distinguished from a purely temporary, or ad hoc appointment, like appointment against leave or other local vacancy of a specified duration, or combination of such vacancies;

(k) "permanent officer" in relation to any Grade means a person who has been substantively appointed to a substantive vacancy in that Grade;

(l) "Schedule" means a Schedule to these rules;

(m) "Select List" in relation to the Selection Grade or Grade I means the Select List prepared in accordance with the regulations made under rule 21;

(n) "Service" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service comprising posts in Selection Grade, Grade I and Grade II in any of the Headquarters and Inter Service Organisations of the Ministry of Defence, as specified in the First Schedule;

(o) "temporary officer" in relation to any Grade means a person holding a temporary or officiating appointment in that Grade on the basis of his being regularly approved for such appointment.

3. Composition of the Service.—(1) There shall be three Grades in the Service classified as follows:—

Grade	Classification
(i) Selection Grade	} Central Civil Service Class II—Ministerial.
(ii) Grade I	
(iii) Grade II	

(2) The posts specified in the Second Schedule shall constitute the Selection Grade of the Service and those specified in the Third Schedule shall constitute Grade I of the Service. All posts of Personal Assistants shall, unless provision to the contrary is made for any specified posts, form Grade II of the Service.

(3) The posts in the Selection Grade and Grade I shall be gazetted and selection posts and those in Grade II shall be non-gazetted and non-selection posts.

4. Authorised permanent strength and temporary strength of the Service.—

(1)(a) The authorised permanent strength of the three Grades of the Service on the appointed day shall be as specified in the Fourth Schedule:

Provided that if the authorised permanent strength of any Grade or Grades is revised by the Government at any time from a day earlier than the appointed day, such revised permanent strength shall form the authorised permanent strength of that Grade or Grades on the appointed day.

(b) The authorised temporary strength of the three Grades of the Service on the appointed day shall be such as may be determined by the Government.

(2) After the appointed day, the authorised permanent strength and the temporary strength of the three Grades of the Services shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

5. Inclusion of a post in the Service.—Any post in the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations may be encadred if the functions attached to such posts are such as require, in the opinion of the Government, the holder of the post to possess substantially the same qualifications, training and experience as those necessary for the holders of duty posts in the Service.

6. Exclusion of a duty post from the Service.—Any duty post in a Grade may be declared by the Government to be excluded from the Service, if such a post is required, for the time being, to be filled by the appointment of a person possessing special or technical qualifications or experience and the post shall remain excluded from the Service so long as such declaration remains in force.

7. Duty post to be held by Grade Officer.—Every duty post shall, unless declared to be excluded from the Service under rule 6 or held in abeyance for any reason, be held by an officer of the appropriate Grade.

8. Substantive appointments in the Service.—All substantive appointments in the Service shall be made to the appropriate Grade of the Service and not against any specified duty post in that Grade.

9. Initial Constitution.—(1) Appointments against all permanent and temporary duty posts in the Service at its initial constitution shall be made from amongst departmental candidates. The following shall be considered as departmental candidates for this purpose, namely:—

- (a) persons who, immediately before the appointed day, have been regularly appointed to the posts of Grade I and Grade II of the erstwhile Armed Forces Headquarters Stenographers' Service;
- (b) persons who, on the appointed day, hold any of the posts in Grade I and Grade II mentioned in clause (a) in a permanent or temporary capacity, wherever they may be employed on that date;
- (c) persons who have been regularly appointed to posts in Grade I and Grade II of the erstwhile Armed Forces Headquarters Stenographers' Service on or after the appointed day, but before the publication of these rules in the Official Gazette;
- (d) Stenographers Grade II (Class III) who have been recruited to the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations specified in the First Schedule before the 1st March, 1968 on the basis of the examinations held by the Commission but had not been appointed to Grade II of the erstwhile Armed Forces Headquarters Stenographers' Service immediately before the appointed day.

(2) For the purpose of constitution of each Grade of the Service, the following principles shall be observed, namely:—

- (a) permanent posts in the Selection Grade of the Service shall be filled by departmental candidates holding substantive appointments in Grade I immediately before the appointed day, who may be screened for such appointments by the appropriate Departmental Promotion Committee on the basis of seniority, subject to the rejection of the unfit;
- (b) temporary posts in the Selection Grade shall be filled by departmental candidates holding appointments in Grade I immediately before the appointed day, who may be screened for such appointments by the appropriate Departmental Promotion Committee on the basis of seniority, subject to the rejection of the unfit;

Provided that Stenographers Grade I referred to in clause (c) of sub-rule (1) shall be eligible for appointment to Selection Grade of the Service in an officiating capacity, subject to their being assessed fit for such appointment by the appropriate Departmental Promotion Committee from a date not earlier than the date on which they were promoted as erstwhile Stenographers Grade I on or after the appointed day;

- (c) departmental candidates referred to in clauses (a), (b) and (c) of sub-rule (1) who were holding appointments in Grade I, but are not assessed suitable for appointment to the Selection Grade by the Departmental Promotion Committee shall be absorbed in the next lower grade. Such officers shall be eligible to be considered at the maintenance stage for appointment in an officiating capacity to temporary posts in the Selection Grade, but they shall reckon their seniority on appointment to that Grade according to the order of their selection for such appointments;

- (d) all posts in Grade I of the Service shall be filled by—

- (i) departmental candidates who are declared as suitable for appointment to Selection Grade but are not appointed thereto on account of sufficient number of vacancies not being available in that Grade:

Provided that departmental candidates referred to in clause (c) of sub-rule (1), shall be appointed to Grade I from the date on which they were promoted to the erstwhile Grade I on or after the appointed day;

- (ii) departmental candidates referred to in clause (c) of sub-rule (2);
- (iii) Grade II officers of the Service out of a Select List of such officers prepared by the Government in accordance with the regulations contained in the Sixth Schedule;
- (e) (i) permanent and temporary posts in Grade II of the Service shall be filled by the departmental candidates holding appointments in

Grade II and referred to in clauses (a), (b) and (d) of sub-rule (1) in the order of their seniority:

Provided that Stenographers Grade II, referred to in clause (d) of sub-rule (1) shall be appointed to the Grade from the date on which they were appointed to that Grade on or after the appointed day;

- (ii) Stenographers Grade II (Class III) referred to in clause (d) of sub-rule (1), shall be appointed to Grade II of the Service in an officiating capacity, subject to their being assessed fit for such appointment by an appropriate Departmental Promotion Committee; and on such appointment they will rank below all other persons appointed to Grade II at the initial constitution of the Service. In the event of their being assessed not suitable for appointment to Grade II of the Service, they shall be eligible to be considered at the maintenance stage for appointment in an officiating capacity to temporary posts in Grade II until they are so appointed.

(3) (a) Departmental candidate who are declared as suitable for appointment to the Selection Grade or Grade I by an appropriate Departmental Promotion Committee but are not appointed thereto on account of sufficient number of vacancies not being available in the Grade, shall be absorbed in the next lower Grade;

(b) such officers shall continue to be included in the Select List and retain the seniority assigned to them in that List;

(c) officers who are subsequently assessed as suitable for long-term appointment to a Grade by an appropriate Departmental Promotion Committee shall not be appointed to the Grade until officers who were assessed suitable earlier for appointment to the Grade but were absorbed in the lower Grade for want of vacancies have been appointed to that Grade:

Provided that on an annual review of the Select List for that Grade, such officers, are not found to have fallen below the required standard on account of deterioration in their record or conduct or both.

(4) Initial appointments to the Selection Grade and Grade I of the Service shall be made in the order in which their names are arranged in the recommendations of the appropriate Departmental Promotion Committee, as finally approved by the Government.

(5) Officers who had been placed on probation in a Grade on their appointment under the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1968, but have not completed the period of probation till their appointment under these rules, shall continue to be on probation until they complete the remaining period of probation in the grade of the Service to which they may be appointed.

10. Posting of officers.—Every officer shall, unless he is on leave or otherwise not available for holding a duty post, be posted against a duty post of the appropriate Grade of the Service.

11. Future maintenance.—The Service shall be maintained in future as indicated in rules 12 and 13.

12. Recruitment to Selection Grade and Grade I of the Service.—(1) Substantive vacancies in the Selection Grade and Grade I of the Service shall be filled by substantive appointments of the persons included in the Select List for the respective Grade, such appointments being made in the order of seniority in the Select List except when for reasons to be recorded in writing by the appropriate Departmental Promotion Committee, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(2) Temporary vacancies in the Selection Grade of the Service shall be filled by promotion of permanent officers of Grade I who have rendered not less than six years' approved service in that Grade including service in Grade I immediately before the appointed day, and are included in the Select List for the Grade prepared and revised from time to time in accordance with the regulations contained in the Fifth Schedule.

Any vacancies remaining unfilled thereafter shall be filled by temporary promotion of permanent officers of Grade I immediately before the appointed

day. Such promotions shall be terminated when persons included in the Select List for the Selection Grade become available to fill the vacancies:

Provided that if any person who is appointed to Grade I of the Service is considered for promotion to Selection Grade in accordance with the provisions of this sub-rule, all persons senior to him in Grade I shall also be so considered notwithstanding that they may not have rendered six years' approved service in that Grade.

(3) Temporary vacancies in Grade I of the Service shall be filled by promotion of permanent officers of Grade II who have rendered not less than eight years' approved service in that Grade including service in Grade II immediately before the appointed day, and are included in the Select List for the Grade prepared and revised from time to time in accordance with the regulations contained in the Sixth Schedule. Any vacancies remaining unfilled thereafter shall be filled by temporary promotion of permanent officers of Grade II of the Service who have rendered not less than eight years' approved service in that Grade including service in Grade II immediately before the appointed day. Such promotions shall be terminated when persons included in the Select List for Grade I become available to fill the vacancies:

Provided that if any person who is appointed before the appointed day to Grade II of the Service is considered for promotion to Grade I in accordance with the provisions of this sub-rule, all persons senior to him in Grade II shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered eight years' approved service in that Grade.

(4) The length of approved service for promotion to Selection Grade and Grade I prescribed in sub-rules (2) and (3) may be revised by the Central Government once every three years and revised, if found necessary.

13. Recruitment to Grade II of the Service.—(1) Substantive vacancies in Grade II of the Service shall be filled by substantive appointment of temporary officers of the Grade in the order of their seniority, subject to the rejection of the unfit, provided that they have completed the period of probation satisfactorily.

(2) Temporary vacancies in Grade II of the Service shall be filled on the results of the competitive examinations held by the Commission, subject to reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and released Emergency Commissioned Officers and Short Service Regular Commissioned Officers in accordance with the rules and orders issued by the Government from time to time.

(3) The rules for the competitive examinations referred to in sub-rule (2) shall be as determined by regulations made by Government, in consultation with the Commission.

14. Power to make temporary appointments against substantive vacancies.—A substantive vacancy may be filled temporarily in accordance with the provisions governing appointments to temporary vacancies in the relevant Grade, until it is filled in accordance with the provisions governing permanent appointments.

15. Probation.—(1) Every direct recruit to Grade II of the Service shall initially be appointed on probation, the period of probation being two years from the date of appointment.

(2) Every person other than a direct recruit shall, when first appointed to Selection Grade or Grade I, as the case may be, be on probation for a period of two years from the date of such appointment.

(3) The period of probation specified in sub-rules (1) and (2) may, if the appointment authority deems fit, be extended or curtailed in any case.

(4) During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may, from time to time, prescribe.

16. Confirmation or continuance of officers on probation.—When a member of the Service appointed to a Grade on probation has passed the tests, if any prescribed, and has completed his probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible to be substantively appointed or continued in that Grade, as the case may be, in accordance with the provisions of rule 12 or rule 13.

17. Discharge or reversion of officers on probation.—(1) An officer appointed to Grade II of the Service who has no lien on any post under the Government or

any State Government shall while on probation, be liable to be discharged from the Service at any time without notice, if—

- (i) on the basis of his performance or conduct during probation, he is considered unfit for further retention in the Service; or
- (ii) on the receipt of any information relating to his nationality, age, health or antecedents, the appointing authority is satisfied that he is ineligible or otherwise unfit for being a member of the Service.

(2) An officer appointed to Grade II of the Service who holds a lien on a post under the Government or any State Government may, while on probation, be reverted to such post at any time in any of the circumstances specified in sub-rule (1).

(3) An officer appointed to Grade II of the Service who is not considered suitable for confirmation or continuance in the Grade during or at the end of the period or probation specified in sub-rule (1) of rule 15 or the extended period of probation, if any, under sub-rule (3) of that rule, shall be discharged or reverted in accordance with sub-rule (1) or sub-rule (2), as the case may be.

(4) A member of the Service on probation in Selection Grade or Grade I who is not considered suitable for continuance in that Grade during or at the end of the period of probation specified in sub-rule (2) of rule 15 or the extended period, if any, under sub-rule (3) of that rule, shall be reverted to the next lower Grade.

18. Seniority.—(1) The relative seniority of officers appointed to any Grade before the appointed day shall be regulated by their relative seniority as determined before that day:

Provided that, if the seniority of any such officer had not been specifically determined before that day, it shall be as determined by the Government.

(2) All permanent officers included in the initial constitution of a Grade under rule 9 shall rank senior to all persons substantively appointed to that Grade with effect from any date after the appointed day, and all temporary officers included in the initial constitution of a Grade under that rule shall rank senior to all temporary officers appointed to that Grade after that day.

(3) The seniority *inter se* of permanent officers included in the initial constitution of a Grade shall be regulated in the order in which they are so appointed.

(4) The seniority *inter se* of temporary officers included in the initial constitution of a Grade shall be regulated in the order in which they are so appointed.

(5) Except as provided in sub-rule (6), the seniority of persons appointed to Selection Grade, Grade I and Grade II of the Service from a date subsequent to the appointed day shall be determined in the following manner, namely:—

I—SELECTION GRADE AND GRADE I

- (i) *Permanent Officers*—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade.
- (ii) *Temporary Officers*—The seniority *inter se* of temporary officers appointed to the Grade shall be regulated by the order in which they are approved for long-term appointment to the Grade.

II—GRADE II

- (i) *Permanent Officers*—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade.
- (ii) *Temporary Officers*—The seniority *inter se* of temporary officers appointed to the Grade shall be regulated in the order of merit in which they are placed at the competitive examination on the results of which they are recruited, the recruits of an earlier examination being ranked senior to those of a later examination:

Provided that the seniority of persons recruited through the competitive examinations held by the Commission in whose cases offers of appointment are revived after being cancelled, shall be such as may be determined by the Government in consultation with the Commission.

(6) All officers substantively appointed to a Grade shall rank senior to those holding temporary or officiating appointments in that Grade.

19. **Scales of pay.**—The scales of pay attached to Selection Grade, Grade I and Grade II of the Service shall be as follows:—

(1) Selection Grade—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800.

Note.—(i) An officer of Grade I of the Service promoted to the Selection Grade shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 500 in this scale.

(ii) An officer of Grade I of the Service promoted to Selection Grade before putting in six years of approved service in Grade I would have to complete six years of service in Grade I, and Selection Grade, before he is allowed to draw his next increment in the above scale but he will be allowed to draw the presumptive pay in the lower post, if that is more beneficial to him.

(2) Grade I—Rs. 350—25—650—EB—30—740.

Note.—An officer of Grade II of the Service promoted to Grade I of the Service shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 400 in this scale.

(3) Grade II—Rs. 210—10—270—15—300—EB—15—450—EB—20—530.

20. **Regulation of pay.**—(1) The pay and increments of officers of Selection Grade, Grade I and Grade II shall be regulated in accordance with the Civil Service Regulations or other similar rules relating to pay for the time being in force.

(2) The pay of an officer appointed to a Grade on probation may, on his completing each year of probation to the satisfaction of the appointing authority and passing the tests, if any prescribed, be raised by one stage in the time scale.

21. **Regulations.**—The Government may make regulations, not inconsistent with these rules, to provide for all matters for which provision is necessary or expedient for the purpose of giving effect to these rules.

22. **Residuary matters.**—In regard to matters not specifically covered by these rules or by regulations or orders made or issued thereunder, the members of the Service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Services in general.

23. **Power to relax.**—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

24. **Interpretation.**—If any question arises relating to the interpretation of these rules or the regulations or orders made or issued thereunder, the same shall be decided by the Government.

25. **Repeal and Savings.**—The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1968 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 120 dated the 1st April, 1968, and all regulations made thereunder are hereby repealed:

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provision of these rules.

26. **Overriding effect of the rules.**—Any rules or orders in force immediately before the appointed day shall not apply to the extent they are inconsistent with or repugnant to these rules.

THE FIRST SCHEDULE

Names of the Headquarters and Inter-Service Organisations to whom the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970 shall apply.

[See rule 2(n).]

(a) **Headquarters.**

1. Army Headquarters.
2. Naval Headquarters.
3. Air Headquarters.

(b) *Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence.*

1. Armed Forces Film and Photo Division.
2. Central Monitoring Organisations.
3. Defence Research and Development Organisations.
4. Defence Services Liaison Cell.
5. Directorate of Military Lands and Cantonments.
6. Directorate of Planning and Coordination.
7. Directorate of Public Relations, including 'Sainik Samachar'.
8. Directorate of Standardisation.
9. Directorate of Technical Development and Production (Air).
10. Directorate General, Armed Forces Medical Services.
11. Directorate General of Inspection.
12. Directorate General, National Cadet Corps.
13. Directorate General of Resettlement.
14. Disposal Liaison Cell.
15. Historical Section.
16. Indian Soldiers', Sailors' and Airmen's Board.
17. Joint Cipher Bureau.
18. Ministry of Defence Distribution Section.
19. Ministry of Defence Library.
20. Office of the Chief Administrative Officer.
21. School of Foreign Languages.
22. Security Office.
23. Services Sports Control Board.

THE SECOND SCHEDULE

[See rule 3(2)]

Duty posts included in Selection Grade of the Armed Forces, Headquarters Stenographers' Service

1. All posts of Private Secretary to Lieutenant Generals and above and officers of equivalent rank/status in Army Headquarters.
2. All posts of Private Secretary to Vice Admiral and above and officers of equivalent rank/status in Naval Headquarters.
3. All posts of Private Secretary to Air Marshal and above and officers of equivalent rank/status in Air Headquarters.
4. All posts of Private Secretary to officers of the rank/status of Lieutenant Generals or equivalent and above in Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence.

THE THIRD SCHEDULE

[See rule 3(2)]

Duty posts included in Grade I of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. All posts of Senior Personal Assistant to Major Generals and officers of equivalent rank/status in Army Headquarters.
2. All posts of Senior Personal Assistant to Rear Admiral and officers of equivalent rank/status in Naval Headquarters.
3. All posts of Senior Personal Assistant to Air Vice Marshal and officers of equivalent rank/status in Air Headquarters.
4. All posts of Senior Personal Assistant to officers of the rank/status of Major Generals or equivalent in Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence.

THE FOURTH SCHEDULE

Authorised permanent strength of the various Grades of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service

(See rule 4)

Grade	Authorised permanent strength
(i) Selection Grade	9
(ii) Grade I.	—
(iii) Grade II.	428 (including 39 leave reserve posts)

THE FIFTH SCHEDULE

[See rule 12(2)]

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Promotion to Selection Grade) Regulations, 1970

In pursuance of rule 21 read with sub-rule (2) of rule 12 of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Promotion to Selection Grade) Regulations, 1970.

(2) They shall come into force at once.

2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted in accordance with regulation 3;
- (b) "eligible officer" means an officer eligible to be considered for appointment to Selection Grade of the Service, under rule 12 of the rules, as on the 1st October of the year in which the Select List is prepared;
- (c) "field of selection" means the list of eligible officers arranged in the order of their seniority, from which a selection shall be made for inclusion in the Select List;
- (d) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;
- (e) "Select List" means the list of eligible officers considered fit for appointment to Selection Grade of the Service and prepared in accordance with regulation 4.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. (1) Constitution of Departmental Promotion Committee.—The Central Government shall constitute a Departmental Promotion Committee for making selection for promotion to Selection Grade which shall comprise—

- (i) Joint Secretary in-charge of Armed Forces Headquarters civilian establishment, Ministry of Defence;
- (ii) Chief Administrative Officer, Ministry of Defence; and
- (iii) a representative each of Army Headquarters, Naval Headquarters and Air Headquarters, of the status of a Director.

(2) The Joint Secretary in-charge of Armed Forces Headquarters civilian establishment, Ministry of Defence, shall preside at all meetings of the Departmental Promotion Committee.

4. Preparation of the Select List.—(1) Select List for promotion to Selection Grade shall be prepared at least once every year if on the 1st October of the year the number of officers included in the Select List of Selection Grade is below the strength determined under sub-regulation (2)

Note.—For the purpose of these regulations, officers approved for appointment against long-term vacancies in Selection Grade at the initial constitution of the Service or thereafter, shall be treated as officers included in the Select List of that Grade until their names are removed from the Select List under sub-regulation (3) of regulation 5.

(2) The strength of officers to be included in the Select List for Selection Grade shall be determined from time to time by the Central Government.

(3) The names of officers who fulfil the eligibility conditions prescribed for promotion to Selection Grade shall be arranged in a single seniority list.

(4) The field of selection shall ordinarily extend from three to five times the number of officers to be included in the Select List as may be decided by the Departmental Promotion Committee.

(5) The Departmental Promotion Committee shall classify such of the officers included in the field of selection as are considered fit for appointment to Selection Grade, as 'Outstanding', 'Very Good' or 'Good', on the basis of merit

Note.—While considering the cases of officers belonging to the Scheduled castes and Scheduled Tribes, the Departmental Promotion Committee shall be guided by such instructions as may be issued by the Central Government from time to time.

(6) Subject to the orders of the Central Government the recommendations of the Departmental Promotion Committee as regards classification shall be accepted.

(7) The Select List shall be prepared by including the required number of names first from amongst the officers finally classified as 'Outstanding', then from amongst those similarly classified as 'Very Good', and thereafter from amongst those similarly classified as 'Good'. The names shall be arranged *inter se* within each category in the order of their seniority.

(8) The Select List prepared in the above manner shall be issued by the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence.

5. Removal of names from the Select List.—(1) Subject to the exceptions made under sub-regulation (3), an officer included in the Select List for Selection Grade shall continue to be shown therein till he is substantively appointed to that Grade.

(2) Officers included in the Select List for Selection Grade, who cannot be appointed to that Grade or who are reverted therefrom, for want of vacancies, shall continue to be included in the Select List and retain the seniority assigned to them in the List.

(3) The names of the persons of the following categories shall be removed from the Select List for Selection Grade:—

- (a) persons substantively appointed to that Grade;
- (b) persons transferred substantively to another Service or post;
- (c) persons who die or retire from service or whose services are otherwise terminated;
- (d) (i) persons officiating in Selection Grade beyond the period of probation specified in rule 15 of the rules, who are reverted therefrom as a result of departmental enquiry or proceedings under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1963;
- (ii) persons who either during or at the end of the period of probation in Selection Grade, prescribed in rule 15 of the rules, are reverted therefrom under sub-rule (4) of rule 17 of the rules, on the ground of unfitness to continue in Selection Grade;
- (iii) persons not yet promoted on probation to Selection Grade, who on an annual review of the Select List are found because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the Select List, to have fallen below the required standard.

6. Savings.—Notwithstanding anything contained in regulation 4, but subject to regulation 5, officers already approved for but not appointed to Selection Grade, before the coming into force of these regulations, shall continue to be eligible for appointment to that Grade.

THE SIXTH SCHEDULE

See rules 9(2) (d) (iii) and 12(2)]

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Promotion to Grade I) Regulations, 1970

In pursuance of rule 21 read with sub-rule (3) of rule 12 and sub-rule (2)(d) (iii) of rule 9 of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Promotion to Grade I) Regulations, 1970.

(2) They shall come into force at once.

2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) "Departmental Promotion Committee" means a Committee constituted in accordance with regulation 3;

(b) "eligible officer" means an officer eligible to be considered for appointment to Grade I of the Service, under rule 12 of the rules, as on the 1st October of the year in which the Select List is prepared;

(c) "field of selection" means the list of eligible officers arranged in the order of their seniority, from which a selection shall be made for inclusion in the Select List;

(d) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;

(e) "Select List" means the list of eligible officers considered fit for appointment to Grade I of the Service and prepared in accordance with regulation 4.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. (1) Constitution of Departmental Promotion Committee.—The Central Government shall constitute a Departmental Promotion Committee for making selection for promotion to Grade I which shall comprise—

(i) Joint Secretary in-charge of Armed Forces Headquarters civilian establishment, Ministry of Defence;

(ii) Chief Administrative Officer, Ministry of Defence; and

(iii) a representative each of Army Headquarters, Naval Headquarters and Air Headquarters, of the status of a Director.

(2) The Joint Secretary in-charge of Armed Forces Headquarters civilian establishment, Ministry of Defence, shall preside at all meetings of the Departmental Promotion Committee.

4. Preparation of the Select List.—(1) Select List for promotion to Grade I shall be prepared at least once every year if on the 1st October of the year the number of officers included in the Select List of Grade I is below the strength determined under sub-regulation (2).

NOTE.—For the purpose of these regulations, officers approved for appointment against long-term vacancies in Grade I at the initial constitution of the Service or thereafter, shall be treated as officers included in the Select List of that Grade until their names are removed from the Select List under sub-regulation (3) of regulation 5.

(2) The strength of officers to be included in the Select List for Grade I shall be determined from time to time by the Central Government.

(3) The names of officers who fulfil the eligibility conditions prescribed for promotion to Grade I shall be arranged in a single seniority list.

(4) The field of selection shall ordinarily extend from three to five times the number of officers to be included in the Select List as may be decided by the Departmental Promotion Committee.

(5) The Departmental Promotion Committee shall classify such of the officers included in the field of selection as are considered fit for appointment to Grade I, as 'Outstanding', 'Very Good' or 'Good', on the basis of merit.

NOTE.—While considering the cases of officers belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, the Departmental Promotion Committee shall be guided by such instructions as may be issued by the Government from time to time.

(6) Subject to the orders of the Government, the recommendations of the Departmental Promotion Committee as regards classification shall be accepted.

(7) The Select List shall be prepared by including the required number of names first from amongst the officers finally classified as 'Outstanding', then from amongst those similarly classified as 'Very Good' and thereafter from amongst

those similarly classified as 'Good'. The names shall be arranged *inter se* within each category in the order of their seniority.

(8) The Select List prepared in the above manner shall be issued by the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence.

5. Removal of names from the Select List.—(1) Subject to the exceptions made under sub-regulation (3), an officer included in the Select List for Grade I shall continue to be shown therein till he is substantively appointed to that Grade.

(2) Officers included in the Select List for Grade I, who cannot be appointed to that Grade or who are reverted therefrom, for want of vacancies, shall continue to be included in the Select List and retain the seniority assigned to them in the List.

(3) The names of persons of the following categories shall be removed from the Select list for Grade I:—

- (a) persons substantively appointed to that Grade;
- (b) persons transferred substantively to another Service or post;
- (c) persons who die or retire from service or whose services are otherwise terminated;
- (d) (i) persons officiating in Grade I beyond the period of probation specified in rule 15 of the rules, who are reverted therefrom as a result of departmental enquiry or proceedings under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965;
- (ii) persons who either during or at the end of the period of probation in Grade I, prescribed in rule 15 of the rules, are reverted therefrom under sub-rule (4) of rule 17 of the rules, on the ground of unfitness to continue in Grade I;
- (iii) persons not yet promoted on probation as Grade I, who on an annual review of the Select List are found because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the Select List, to have fallen below the required standard.

6. Savings.—Notwithstanding anything contained in regulation 4, but subject to regulation 5, officers already approved for but not appointed to Grade I, before the coming into force of these regulations, shall continue to be eligible for appointment to that Grade.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970

It has become necessary to give retrospective effect to the above Rules for the following reasons.

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service was constituted with effect from 1st March, 1968 on the lines of the Central Secretariat Stenographers' Service *vide* the AFHQ Stenographers' Service Rules, 1968, which were formulated *mutatis mutandis* on the lines of the Central Secretariat Stenographers' Service Rules, 1962. With effect from 1st August 1969, the Central Secretariat Stenographers' Service has been reorganised *vide* the Central Secretariat Stenographers' Service Rules, 1969, which superseded the Central Secretariat Stenographers' Service Rules, 1962. Consequently Government orders authorising the reorganisation of the AFHQ Stenographers' Service on the pattern of the reorganised Central Secretariat Stenographers' Service were issued *vide* Ministry of Defence letter No. 97313/CAO/DPC/490/S/D(Est. 1)/ Gp. II, dated 2nd July, 1970.

On the analogy of the Central Secretariat Stenographers' Service Rules, 1969 and in pursuance of the orders contained in the Ministry of Defence letter dated 2nd July, 1970, retrospective effect is necessary to the AFHQ Stenographers' Service Rules, 1970, which supersede the AFHQ Stenographers' Service Rules, 1968.

It is certified that interests of no one would be prejudicially affected by giving retrospective effect to these Rules.

[No. F. 97313/CAO(DPC).]

D. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1970

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970

का०नि०अ० 10.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ — (1) ये नियम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये अगस्त 1969 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) “नियुक्ति प्राधिकारी” से किसी श्रेणी के सम्बन्ध में वह प्राधिकारी अभिप्रेत है जो उस श्रेणी की नियुक्तियां करने के लिए केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1965 के अधीन सशक्त हैं ;
- (ख) “नियत दिन” से अगस्त, 1969 का प्रथम दिन अभिप्रेत है ;
- (ग) “अनमोदित सेवा” से किसी श्रेणी के सम्बन्ध में, उस श्रेणी में दीर्घकालीन नियुक्ति के लिए, विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् उस श्रेणी में की गई सेवा की कालावधि या कालावधियां आती हैं जिसके/जिनके दौरान कोई आफिसर यदि वह छुट्टी पर न होता या ऐसा पद धारण करने के लिए अन्यथा उपलब्ध न होता तो, उस श्रेणी में कर्तव्य-पद धारण करता ;
- (घ) “प्राध्वृत स्थायी नफरी”—से किसी श्रेणी के सम्बन्ध में उस श्रेणी के उन स्थायी पदों की नफरी अभिप्रेत है जिनमें अधिष्ठायी नियुक्तियां की जा सकती हैं ;
- (ङ) “आयोग” से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है ;
- (च) “सीधे भर्ती किया गया व्यक्ति” से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर श्रेणी 2 में भर्ती किया गया है ;
- (छ) “कर्तव्य पद” से किसी श्रेणी के संबंध में उस श्रेणी का कोई स्थायी या अस्थायी पद अभिप्रेत है ;
- (ज) “सरकार” से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;
- (झ) “श्रेणी” से नियम 3 में विनिर्दिष्ट श्रेणियों में से कोई श्रेणी अभिप्रेत है ;
- (ञ) “दीर्घ कालिक नियुक्ति” से किसी अनिश्चित कालावधि के लिए की गई नियुक्ति अभिप्रेत है जो, किसी छुट्टी के कारण की गई नियुक्ति या विनिर्दिष्ट अस्तित्वावधि की किसी अन्य स्थानीय रिक्ति में की गई नियुक्ति, या ऐसी संयुक्त रिक्तियों में की गई नियुक्तियों, जैसी पूर्णतः अस्थायी या तदर्थ नियुक्ति से भिन्न हो ;
- (ट) “स्थायी आफिसर” किसी श्रेणी के सम्बन्ध में वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिससे उस श्रेणी में की किसी अधिष्ठायी रिक्ति में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त किया गया हो ;
- (ठ) “अनुसूची” से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;

- (ड) “चयन सूची” से चयन श्रेणी या श्रेणी 1 के सम्बन्ध में वह चयनसूची अभिप्रेत है जो नियम 21 के अधीन बनाए गए विनियमों के अनुसार तैयार की गई है ;
- (ढ) “सेवा” से सशस्त्र बल मुख्यालय आशलिपिक सेवा अभिप्रेत है जिसमें रक्षा मंत्रालय के मुख्यालयों और अन्तर्सेवा संगठनों में से, जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं, किसी एक में चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और 2 में के पद समाविष्ट हैं।
- (ण) “अस्थायी आफिसर” से किसी श्रेणी के सम्बन्ध में वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो ऐसी नियुक्ति के लिए नियमित रूप से अपने अनुमोदित हो जाने के आधार पर उस श्रेणी में अस्थायी या स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया हो।

3 सेवा की संरचना.—(1) सेवा में 3 श्रेणियां होगी—जिनका वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से किया गया है :

श्रेणी	वर्गीकरण
(I) चयन श्रेणी	केन्द्रीय सिविल सेवा—वर्ग 2 अनुसूचि-
(II) श्रेणी 1	वीय
(III) श्रेणी 2	

(2) दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से मिल कर सेवा की चयन श्रेणी और तीसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से मिल कर श्रेणी 1 बनेगी। वैयक्तिक सहायकों के सभी पदों से मिल कर, जब तक किसी विनिर्दिष्ट पद के लिए उपबन्ध न किया गया हो, सेवा की श्रेणी 2 बनेगी।

(3) चयन श्रेणी और श्रेणी 1 में के पद राजपत्रित और चयन पद होंगे और श्रेणी 2 में के पद अराजपत्रित और अचयन पद होंगे।

4. सेवा की प्राधिकृत स्थायी नफरी और अस्थायी नफरी.—(1) (क) नियत दिन को तीनों श्रेणियों की प्राधिकृत नफरी वह होगी जो चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु यदि किसी श्रेणी या किन्हीं श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी नफरी नियत दिन से पूर्व किसी भी समय सरकार द्वारा पुनरीक्षित कर दी जाए तो ऐसी पुनरीक्षित स्थायी नफरी नियत दिन को उस श्रेणी या उन श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी नफरी होगी।

(ख) नियत दिन को सेवा की तीनों श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी नफरी वह होगी जो सरकार द्वारा अवधारित की जाए।

(2) नियत दिन के पश्चात् सेवा की तीनों श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी नफरी और अस्थायी नफरी वह होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

5. सेवा में पद का सम्मिलित किया जाना.—सशस्त्र बल मुख्यालय और अन्तर्सेवा संगठन में का कोई पद काडर में लाया जा सकता है यदि ऐसे पद से संलग्न कृत्य ऐसे हैं जो केन्द्रीय सरकार की राय में, पद के धारक से सारवान रूप से वही अर्हताएं, प्रशिक्षण और अनुभव रखने की अपेक्षा करते हो जो सेवा में कर्तव्य पदों के धारकों के लिए आवश्यक हैं।

6. सेवा से कर्तव्य पदों का अवपर्जन.—किसी श्रेणी के किसी भी कर्तव्य पद को, यदि ऐसे पद का सत्समय ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति द्वारा भरा जाना अपेक्षित हो जो विशेष या तकनीकी अर्हता

या अनुभव रखता हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा सेवा से अपवर्जित घोषित किया जा सकेगा और जब तक ऐसी घोषणा प्रवृत्त रहेगी तब तक पद सेवा से अपवर्जित रहेगा।

7. कर्त्तव्य पद का श्रेणी अधिकारी द्वारा धारित किया जाना।—हर एक कर्त्तव्य पद जब तक कि वह नियम 6 के अधीन सेवा से अपवर्जित घोषित नहीं किया जाता या किसी कारणवश अस्थायित्व रखा जाता है समुचित श्रेणी के आफिसर द्वारा धारित किया जाएगा।

8. सेवा में अधिष्ठायी नियुक्तियाँ।—सेवा में सभी अधिष्ठायी नियुक्तियाँ सेवा की समुचित श्रेणी में की जाएगी न कि उस श्रेणी में किसी विनिर्दिष्ट कर्त्तव्य पद पर।

9. आरम्भिक गठन।—(1) सेवा में, इसके आरम्भिक गठन पद, सभी स्थायी और अस्थायी कर्त्तव्य पदों पर नियुक्तियाँ विभागीय अभ्यर्थियों में से की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित विभागीय अभ्यर्थी समझे जाएंगे अर्थात् :—

- (क) वे व्यक्ति जो नियत दिन से अव्यवहित पूर्व भूतपूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में श्रेणी 1 और श्रेणी 2 पदों पर नियमित रूप से नियुक्त किए गए हैं;
- (ख) वे व्यक्ति जो नियत दिन को खण्ड (क) में वर्णित किसी पद को स्थायी या अस्थायी हैसियत में धारण करते हैं, चाहे वे उस तारीख को कहीं भी नियोजित हों;
- (ग) वे व्यक्ति जो नियत दिन को या पश्चात्, किन्तु इन नियमों के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन से पूर्व, भूतपूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त किए गए हैं;
- (घ) वे आशुलिपिक श्रेणी 2 (वर्ग 3) जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर्सेवा संगठनों में आयोग में द्वारा ली गई परीक्षा के आधार पर भर्ती किए गए हैं किन्तु नियत दिन से अव्यवहित पूर्व भूतपूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त नहीं किए गए हैं।

(2) सेवा की प्रत्येक श्रेणी के गठन के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित सिद्धान्तों का पालन किया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) सेवा की चयन श्रेणी में स्थायी पद नियत दिन से अव्यवहित पूर्व श्रेणी 1 में अधिष्ठायी रूप में नियुक्तियाँ धारित करने वाले उन विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे जो, अनुपयुक्त व्यक्तियों को अग्रहीत करते हुए, विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा, ज्येष्ठता के आधार पर ऐसी नियुक्तियों के लिए छांटे जाएं;
- (ख) चयन श्रेणी में अस्थायी पद, नियत दिन से अव्यवहित पूर्व श्रेणी 1 में नियुक्तियाँ धारित करने वाले उन विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे जो, अनुपयुक्त व्यक्तियों को अग्रहीत करते हुए, विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा ज्येष्ठता के आधार पर, ऐसी नियुक्तियों के लिए छांटे जाएं :

परन्तु उपनियम (1) के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट आशुलिपिक श्रेणी 1, सेवा की चयन श्रेणी में इस बात के अध्ययन स्थानापन्न हैसियत में नियुक्त के लिए पात्र होंगे कि वे समुचित विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा, उस तारीख से जो उस तारीख से पूर्वतर न हो जिसको वे, नियत दिन को या उसके पश्चात्, भूतपूर्व आशुलिपिक श्रेणी 1 में प्रोन्नत किए गए थे, ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त निर्धारित किए जायें;

(ग) इस नियम के उपनियम (1) के खण्ड (क), (ख) और (ग) में निर्दिष्ट वे विभागीय अभ्यर्थी जो श्रेणी 1 में नियुक्तियाँ धारण कर रहे थे किन्तु विभागीय प्रोन्नति समिति

द्वारा चयन सूची में नियुक्त के लिए उपयुक्त निर्धारित नहीं किए गए हैं, ठीक निम्नतर श्रेणी में शामिल किए जाएंगे। ऐसे आफिसर चयन श्रेणी में किसी अस्थायी पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त के लिए, अनुरक्षण प्रक्रम पर विचार किए जाने के पात्र होंगे किन्तु उस श्रेणी में नियुक्त होने पर उसकी ज्येष्ठता ऐसी नियुक्ति के लिए उनके चयन-क्रम के अनुसार संगणित की जाएगी ;

(घ) सेवा की श्रेणी 1 में सभी पद —

(1) उन विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे जिन्हें चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किया जाए किन्तु उस श्रेणी में पर्याप्त संख्या में रिक्तियां उपलब्ध न होने के कारण उनमें नियुक्त नहीं किया जाए ;

परन्तु उपनियम (1) के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट विभागीय अभ्यर्थी उस तारीख से श्रेणी 1 में नियुक्त किए जाएंगे जिसको वे नियत दिन को या उसके पश्चात् भूतपूर्व श्रेणी 1 में प्रोन्नत किए गए थे ;

(II) उपनियम (2) के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएंगे ;

(III) ऐसे आफिसरों की उस चयन सूची में के सेवा के श्रेणी 2 के आफिसरों द्वारा भरे जाएंगे जो छठी अनुसूची में के विनियमों के अनुसार सरकार द्वारा तैयार की गई है ;

(ङ) (1) सेवा की श्रेणी 2 में स्थायी और अस्थायी पद उन विभागीय अभ्यर्थियों द्वारा उनकी ज्येष्ठता के अनुसार भरे जाएंगे जो श्रेणी 2 में नियुक्तियां धारण करते हैं और उपनियम (1) के खण्ड (क) (ख) और (घ) में निर्दिष्ट हैं :

परन्तु उप नियम (1) के खण्ड (घ) में निर्दिष्ट आशुलिपिक श्रेणी 2, श्रेणी में उस तारीख से नियुक्त किए जाएंगे जिसको वे उस श्रेणी में नियत दिन को या उसके पश्चात् नियुक्त किए गए थे ;

(II) उपनियम (1) के खण्ड (घ) में निर्दिष्ट आशुलिपिक श्रेणी 2 (वर्ग-III) सेवा की श्रेणी 2 में, समचित्त विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त निर्धारित किए जाने के अध्यक्षीन, स्थानापन्न हैसियत में नियुक्त किए जाएंगे; और ऐसी नियुक्ति पर व उन सभी अन्य व्यक्तियों से नीचे की पक्ति के होंगे जो आरम्भिक गठन पर श्रेणी 2 में नियुक्त किए गए थे। उसके सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त किए जाने के लिए उपयुक्त निर्धारित न किए जाने की दशा में वे तब तक अनुरक्षण प्रक्रम पर श्रेणी 2 में अस्थायी तदों पर स्थानापन्न हैसियत में नियुक्ति के लिए पात्र समझे जाएंगे जब तक कि वे उन्हें इस प्रकार नियुक्त नहीं किया जाता।

(3) (क) व विभागीय अभ्यर्थी जो समुचित विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा चयन श्रेणी या श्रेणी 1 में नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित किए गए हैं किन्तु उस श्रेणी में पर्याप्त संख्या में रिक्तियां उपलब्ध न होने के कारण नियुक्त नहीं किए गए, ठीक निम्नतर श्रेणी में शामिल किए जाएंगे ;

(ख) ऐसे आफिसर चयन सूची में सम्मिलित किए जाते रहेंगे और उस सूची में उनको दी गई ज्येष्ठता बनी रहती ;

(ग) वे आफिसर जो तत्पश्चात् समुचित विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा श्रेणी में दीर्घकालिक नियुक्ति के लिए उपयुक्त निर्धारित किए जाते हैं, श्रेणी में तब तक नियुक्त

नहीं किए जाएंगे जब तक वे आफिसर, जो पूर्वतर सेवा में नियुक्त के लिए उपयुक्त निर्धारित किए गए थे किन्तु रिक्तियों [इस नियम के खण्ड (क) से तुलना करें] की कमी के कारण निम्नतर श्रेणी में आर्मेलात किए गए थे, उस श्रेणी में नियुक्त नहीं कर दिए जाते :

परन्तु यह तब जब कि उस श्रेणी की चयन सूची के वार्षिक पुनर्विलोकन पर ऐसे आफिसर उनके चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के समय से अपने अभिलेख या आचरण या दोनों में गिरावट के कारण अपेक्षित स्तर से नीचे के नहीं पाए जाएं

(4) सेवा की चयन श्रेणी और श्रेणी 1 में आरम्भिक नियुक्तियां उन क्रम से की जाएंगी जिस में उनके नामसमुचित विभागीय प्रोन्नति समिति की सरकार द्वारा अन्तिम रूप से यथा अनुमोदित सिफारिश में रखे गए हैं।

(5) वे आफिसर जो सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1968 के अधीन अपनी नियुक्ति पर, श्रेणी में परिवीक्षा पर रखे गए हैं किन्तु जिन्होंने इन नियमों के अधीन अपनी नियुक्ति तक परिवीक्षा की कालावधि पूरी नहीं की है तब तक परिवीक्षा पर रहेंगे जब तक कि वे सेवा की श्रेणी में जिसमें वे नियुक्त किए जाएं, परिवीक्षा की शेष कालावधि पूरी नहीं कर लेते।

10. आफिसरों की तैनाती—प्रत्येक आफिसर कोसे वा की समुचित श्रेणी के किसी कर्तव्य पद पर तैनात किया जाएगा यदि वह छुट्टी पर न हो या कर्तव्य पद धारित करने के लिए, अन्यथा उपलब्ध न हो।

11. भर्ती अनुरक्षण—भविष्य में सेवा नियम 12 और 13 में उपदर्शित किए गए अनुसार अनुरक्षित की जाएगी।

12—सेवा की चयन श्रेणी और श्रेणी 1 के लिए भर्ती—

(1) सेवा की चयन श्रेणी और श्रेणी 1 में अधिष्ठायी रिक्तियां उन व्यक्तियों की अधिष्ठायी नियुक्तियों द्वारा भरी जाएंगी जो तत्सम्बन्धी श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित हैं, ऐसी नियुक्तियां, समुचित विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा चयन सूची में ज्येष्ठता के क्रम से की जाएंगी, सिवाए तब के जब, लेखबद्ध किए गए कारणों से कोई व्यक्ति अपनी बारी पर ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं समझा जाता।

(2) सेवा की चयन श्रेणी में अस्थायी रिक्तियां श्रेणी 1 के उन स्थायी आफिसरों की, प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी जिन्होंने उस श्रेणी में छह वर्ष से अन्यून की अनुमोदित सेवा, जिसमें नियत दिन से अव्यवहित पूर्व श्रेणी 1 में सेवा सम्मिलित है, कर ली है, और श्रेणी की उस चयन सूची में सम्मिलित है जो पांचवीं अनुसूची में के विनियमों के अनुसार समय पर तैयार और पुनरीक्षित की गई है।

तत्पश्चात् बिना भरी गई शेष कोई रिक्तियां श्रेणी 1 के उन स्थायी अधिकारियों की अस्थायी प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी जिन्होंने उस श्रेणी में छह वर्ष से अन्यून की अनुमोदित सेवा, जिसमें नियत दिन से अव्यवहित पूर्व की सेवा सम्मिलित है, कर ली है। जब चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित व्यक्ति रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध हो जाएंगे तब ऐसी प्रोन्नतियां पर्यवसित कर दी जाएंगी।

परन्तु यदि इस उप नियम के उपबन्धों के अनुसार किसी व्यक्ति को, जो सेवा के श्रेणी 1 में नियुक्त है, चयन श्रेणी में प्रोन्नति करने का विचार किया जाता है तो श्रेणी 1 में के उससे ज्येष्ठ सभी

व्यक्तियों को इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने उस श्रेणी में छह वर्ष की अनुमोदित सेवा नहीं की हो प्रोन्नति करने का विचार किया जाएगा।

(3) सेवा की श्रेणी 1 में की अस्थायी रिक्तियां श्रेणी 2 के उन स्थायी आफिसरों की प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी जिन्होंने उस श्रेणी में, आठ वर्ष से अन्यून की अनुमोदित सेवा जिसमें नियत दिन से अव्यवहित पूर्व श्रेणी 2 में की सेवा सम्मिलित है, कर ली है और श्रेणी की उस चयन सूची में सम्मिलित हैं जो छठी अनुसूची में के विनियमों के अनुसार समय-समय पर तैयार और पुनरीक्षित की गई है। तत्पश्चात् बिना भरी गई शेष कोई रिक्तियां श्रेणी 2 के उन स्थायी अधिकारियों की अस्थायी प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी जिन्होंने उस श्रेणी में आठ वर्ष से अन्यून की अनुमोदित सेवा, जिसमें नियत दिन से अव्यवहित पूर्व श्रेणी 2 में की सेवा सम्मिलित है, कर ली है। जब श्रेणी 1 के लिए चयन सूची में सम्मिलित व्यक्ति रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध हो जाएंगे तब ऐसी प्रोन्नतियां पर्यवसित कर दी जाएंगी।

परन्तु यदि इस उप नियम के उपबन्धों के अनुसार किसी व्यक्ति को जो नियत दिन से पूर्व सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त है श्रेणी 1 में प्रोन्नति करने का विचार किया जाता है तो श्रेणी 2 में के उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों को इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने उस श्रेणी में आठ वर्ष की अनुमोदित सेवा नहीं की है, प्रोन्नत करने का विचार किया जाएगा।

(4) चयन श्रेणी और श्रेणी 1 में प्रोन्नति के लिए उप नियम (2) और (3) में विहित अनुमोदित सेवा की कालावधि केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार पुनर्विलोकित की जा सकेंगी और यदि आवश्यक पाया जाए तो पुनरीक्षित की जा सकेंगी।

13. सेवा की श्रेणी 2 में भर्ती—(1) सेवा की श्रेणी 2 में अधिष्ठायी रिक्तियां उस श्रेणी के अस्थायी आफिसरों की उनके ज्येष्ठता क्रम अधिष्ठायी नियुक्ति द्वारा, अनुपयुक्त में व्यक्तियों को अग्रहीत करते हुए भरी जाएंगी, परन्तु यह तब जब कि उन्होंने परीक्षा की कालावधि समाधानप्रद रूप से पूरी कर ली हो।

(2) सेवा की श्रेणी 2 में के अधिष्ठायी रिक्तियां आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणामों के आधार पर इस शर्त के अध्वधीन भरी जाएंगी कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और निर्मोचित आपात कमीशन अधिष्ठायी और अल्प सेवा नियमित कमीशन अधिष्ठायी के लिए रिक्तियां सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों और आदेशों के अनुसार आरक्षित की जायें।

(3) उपनियम 2 में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए नियम वे होंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से बनाए गए विनियमों द्वारा अवधारित हों।

14. अधिष्ठायी रिक्तियों पर अस्थायी नियुक्तियां करने की शक्ति—अधिष्ठायी रिक्ति को, सुसंगत श्रेणी में की अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्तियों को अधिशासित करने वाले उपबन्धों के अनुसार, अस्थायी रूप से भरा जा सकता है जब तक कि इसे स्थायी नियुक्तियों को अधिशासित करने वाले उपबन्धों के अनुसार भरा न जाए।

15. परीक्षा—(1) सेवा के ग्रेड 2 में सीधे भर्ती होने वाले व्यक्ति को आरम्भतः परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा और परीक्षा की कालावधि नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की होगी।

(2) सीधे भर्ती होने वाले व्यक्ति से भिन्न प्रत्येक व्यक्ति, यथास्थिति चयन श्रेणी या श्रेणी 1 में प्रथमतः नियुक्त किए जाने पर, ऐसी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के लिए परीक्षा पर रहेगा।

(3) उप नियम (1) और (2) में विनिर्दिष्ट परीक्षा की कालावधि, यदि नियुक्ति प्राधिकारी ठीक समझे, किसी भी दशा में, बढ़ायी या कम की जा सकती है।

(4) परीक्षा के दौरान, सेवा के सदस्य से ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करने और ऐसे परीक्षण पास करने की अपेक्षा की जा सकेगी जैसे सरकार समय समय पर विहित करे।

16. परीक्षाधीन आफिसरों का पुष्टिकरण या बने रहना—जब श्रेणी में परीक्षा पर नियुक्त, सेवा के सदस्य ने परीक्षण, यदि कोई विहित हों, पास कर लिए हों और अपनी परीक्षा नियुक्ति प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में पूरी कर ली हो तो वह उस श्रेणी में, नियम 12 या नियम 13 के उपबन्धों के अनुसार, अधिष्ठायी रूप से यथास्थिति नियुक्त किए जाने या बने रहने का पात्र होगा।

17. परीक्षाधीन आफिसरों का सेवोन्मोचन या प्रतिवर्तन — (1) सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त आफिसरों जिसका सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन किसी पद पर कोई धारणाधिकार नहीं है, परीक्षा के दौरान, सेवा से किसी भी समय बिना सूचना के उन्मोचित किए जाने के बाधित्याधीन होगा, यदि —

- (i) परीक्षा के दौरान उसके कार्य-निष्पादन या आचरण के आधार पर उसे सेवा में और आगे बने रहने के लिए अयोग्य समझा जाए ; या
 - (ii) उसकी राष्ट्रकृता, आयु, स्वास्थ्य या पूर्ववृत्त के सम्बन्ध में किसी सूचना की प्राप्ति पर, नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाधान हो जाए कि वह सेवा का सदस्य होने के लिए अपात्र या अन्यथा अयोग्य है।
- (2) सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त आफिसर, जो सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन पद पर धारणाधिकार रखता हो, परीक्षा के दौरान, उप नियम (1) में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में से किसी में किसी भी समय ऐसे पद पर प्रतिवर्तित किया जा सकता है।
- (3) सेवा की श्रेणी 2 में नियुक्त आफिसर को, जो नियम 15 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट परीक्षा की कालावधि के दौरान या अन्त में या उस नियम के उपनियम (3) के अधीन परीक्षा की बढ़ायी गई कालावधि, यदि कोई हो, के दौरान या अन्त में पुष्टिकरण के या बने रहने योग्य नहीं समझा जाता तो उसे यथास्थिति उपनियम (1) या उपनियम (2) के अनुसार सेवोन्मोचित या प्रतिवर्तित कर दिया जाएगा।
- (4) चयन श्रेणी या श्रेणी 1 में परीक्षा पर, सेवा के सदस्य को, जो नियम 15 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट परीक्षा की कालावधि के दौरान या अन्त में या उस नियम के उपनियम (3) के अधीन परीक्षा की बढ़ायी गई कालावधि, यदि कोई हो, के दौरान या अन्त में पुष्टिकरण के या बने रहने योग्य नहीं समझा जाता, ठीक निम्नतर श्रेणी में प्रतिवर्तित कर दिया जाएगा।

18. ज्येष्ठता—(1) नियत दिन से पूर्व किसी श्रेणी में नियुक्त आफिसरों की सापेक्ष ज्येष्ठता उस दिन से पूर्व यथा अवधारित उनकी सापेक्ष ज्येष्ठता द्वारा विनिर्यामित की जाएगी :

परन्तु, यदि ऐसे किसी आफिसर की ज्येष्ठता उस दिन से पूर्व विनिर्दिष्ट रूप से अवधारित नहीं की गई है तो यह सरकार द्वारा अवधारित की जाएगी।

- (2) नियम 9 के अधीन श्रेणी के आरम्भिक गठन में सम्मिलित सभी स्थायी आफिसर नियत दिन के पश्चात् किसी तारीख से उस श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त सभी व्यक्तियों से ज्येष्ठ होंगे, और उस नियम के अधीन श्रेणी के आरम्भिक गठन में सम्मिलित सभी अस्थायी आफिसर उस दिन के पश्चात् उस श्रेणी में नियुक्त सभी अस्थायी आफिसरों से ज्येष्ठ होंगे।

- (3) श्रेणी के आरम्भिक गठन में सम्मिलित स्थायी आफिसरों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि वे इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं ।
- (4) श्रेणी के आरम्भिक गठन में सम्मिलित अस्थायी आफिसरों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं ।
- (5) उपनियम (6) में यथा उपबन्धित के सिवाय सेवा की चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2 में नियत दिन से पश्चात्पूर्व किसी तारीख से नियुक्त व्यक्तियों की ज्येष्ठता निम्नलिखित प्रकार से अवधारित की जाएगी, अर्थात् :—

चयन श्रेणी और श्रेणी 1.

- (i) स्थायी आफिसर— श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त आफिसरों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि वे श्रेणी में इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं ।
- (ii) अस्थायी आफिसर— श्रेणी में नियुक्त अस्थायी आफिसरों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि वे उस श्रेणी में दीर्घकालिक नियुक्ति के लिए अनुमोदित किए जाएं ।

II. श्रेणी-2

- (i) स्थायी आफिसर—श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त आफिसरों की पारस्परिक ज्येष्ठता इस क्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि श्रेणी में उनकी इस प्रकार नियुक्ति की गई है ।
- (ii) अस्थायी आफिसर — श्रेणी में नियुक्त अस्थायी आफिसरों की ज्येष्ठता उस योग्यताक्रम में विनियमित की जाएगी जिसमें कि वे उस प्रतियोगिता परीक्षा में रखे गए हों जिसके परिणामों के आधार पर उनकी नियुक्ति हुई हो । पूर्ववर्ती परीक्षा में से सीधे भरती किए जाने वाले व्यक्तियों को पश्चात्पूर्व परीक्षा में से भरती किए जाने वाले व्यक्तियों से ज्येष्ठ रखा जाएगा ।

परन्तु उन व्यक्तियों की ज्येष्ठता, जिनकी वशा में नियुक्ति की प्रस्थापनाएं निरसित किए जाने के पश्चात् पुनः प्रवर्तित की जाती हैं, जो आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से भरती किए जाएं, वह होगी जो सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से अवधारित की जाए ।

- (6) श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त सभी आफिसर उस श्रेणी में अस्थायी या स्थानापन्न नियुक्तियों धारण करने वालों से ज्येष्ठ होंगे ।

19. वेतनमान — सेवा की चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2 में संलग्न वेतनमान निम्नलिखित होंगे :—

- (i) चयन श्रेणी — 350-25-500-30-590 द० रो० 30-800 रु० ।

टिप्पणः— (i) चयन श्रेणी में प्रोन्नत सेवा के श्रेणी 1 के आफिसर को इस वेतनमान में 500/- रुपये का न्यूनतम आरम्भिक वेतन अनुज्ञात किया जाएगा ।

- (ii) श्रेणी 1 में छह वर्ष की अनुमोदित सेवा करने से पूर्व चयन श्रेणी में प्रोन्नत सेवा के श्रेणी 1 के आफिसर को श्रेणी 1, और चयन श्रेणी, में, इससे पहले कि उसे

उपरोक्त वेतनमान में अगली वेतनवृद्धि लेने दी जाए, छह वर्ष की सेवा पूरी करनी होगी परन्तु उसे निम्नतर पद में अवधारित वेतन लेने दिया जाएगा यदि वह उसके लिए अधिक फायदाप्रद हो।

(2) श्रेणी 1- 350-25-650-द० रो० -30-740 रुपये।

टिप्पण- (1) चयन श्रेणी में प्रोन्नत सेवा के श्रेणी 1 के आफिसर को इस वेतनमान में 400- रुपये का न्यूनतम आरम्भिक वेतन अनुज्ञात किया जाएगा।

(3) श्रेणी II -210-10-270-15-300 द० रो०-15-450- द० रो० 20- 530 रुपये।

20. वेतन का विनियमन - (1) चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी II के आफिसरों के वेतन और वेतन वृद्धियां सिविल सेवा विनियमों या वेतन से संबंधित तत्समय प्रवृत्त अन्य तत्समान नियमों के अनुसार विनियमित की जाएगी।

(2) परीक्षा पर श्रेणी में नियुक्त आफिसर का वेतन नियुक्ति प्राधिकारी के समाधान प्ररूप में परीक्षा का प्रत्येक वर्ष पूरा करने पर, परीक्षण, यदि विहित हो, पास करने पर, काल वेतनमान में एक क्रम आगे बढ़ा दिया जाएगा।

21. विनियम- सरकार इन नियमों को प्रभाव देने के प्रयोजन के लिए उन सभी मामलों के लिए, जिनके लिए उपबन्ध करना आवश्यक या समीचीन हो, उपबन्ध करने के निमित्त विनियम, जो इन नियमों से असंगत न हो, बना सकती है।

22. अद्यतन विनियम - विनिर्दिष्ट रूप से इन विनियमों के या तदधीन जारी किए गए विनियमों या आदेशों के या विशेष आदेशों के अन्तर्गत न आने वाले मामलों की बाबत सेवा के सदस्य साधारण रूप से केन्द्रीय सिविल सेवाओं को लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

23. शिथिल करने की शक्ति : जहां सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लिखित करके तथा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

24. निर्वचन - यदि इन नियमों या विनियमों या तदधीन बनाए या जारी किए गए आदेशों के निर्वचन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उत्पन्न हो तो वह सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाएगा।

25. निरसन और व्याप्ति - भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 120 तारीख 1 अप्रैल 1968 के साथ प्रकाशित सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा विनियम, 1968 और तदधीन बनाए गए सभी विनियम एतद्द्वारा निरसित किए जाते हैं ;

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन बनाया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्यवाही इन नियमों के तत्समान उपबन्ध के अधीन बनाया गया समझा जाएगा या की गई समझी जाएगी।

26. नियमों का अथारोही प्रभाव - नियम दिन से अथारहित - पूर्व प्रवृत्त कोई नियम या आदेश उदासीनता के बिना इन नियमों से असंगत या के विरुद्ध है, लागू नहीं होंगे।

प्रथम अनुसूची

[नियम 2 (ड) देखें]

उन मुख्यालयों और अंगतसेवा संगठनों के नाम जिन्हें सशस्त्र बल मुख्यालय सेवा नियम, 1970 लागू होंगे ।

(क) मुख्यालय

1. सेना मुख्यालय ।
2. नौसेना मुख्यालय ।
3. वायु सेना मुख्यालय ।

(ख) रक्षा मंत्रालय के अंगतसेवा संगठन ।

1. सशस्त्र बल फिल्म और फोटो प्रभाग ।
2. केन्द्रीय अनुश्रवण संगठन ।
3. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ।
4. रक्षा सेवा संपर्क कक्ष ।
5. सैनिक भूमि और छावनी निदेशालय ।
6. योजना और समन्वय निदेशालय ।
7. जन-सम्पर्क निदेशालय जिसमें "सैनिक समाचार" सम्मिलित है ।
8. मानकीकरण निदेशालय ।
9. तकनीकी विकास और उत्पादन (वायुसेना) निदेशालय ।
10. सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशालय ।
11. निरीक्षण महानिदेशालय ।
12. नेशनल क्रेडिट कौर महानिदेशालय ।
13. पुनर्व्यवस्थापन महानिदेशालय ।
14. निपटान सम्पर्क कक्ष ।
15. ऐतिहासिक अनुभाग ।
16. भारतीय सैनिक नाविक और वायु सैनिक बोर्ड ।
17. संयुक्त गूडलिपि ब्यूरो ।
18. रक्षा मंत्रालय वितरण अनुभाग ।
19. रक्षा मंत्रालय पुस्तकालय ।
20. मुख्य प्रशासनिक आफिसर का कार्यालय ।
21. विदेशी भाषा विद्यालय ।
22. सुरक्षा कार्यालय ।
23. सैनिक खेल-कूद नियंत्रण बोर्ड ।

द्वितीय अनुसूची

[नियम 3 (2) देखें]

सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा की चयन श्रेणी में सम्मिलित कर्तव्य-पद ।

1. सेना मुख्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल और उससे ऊपर के और पतित /हैसियत में समतुल्य आफिसरों के निजी सचिवों के सभी पद ।

2. नौसेना मुख्यालय में वाइस एडमिरल और उससे ऊपर के और पब्लि / हैसियत में समतुल्य आफिसरों के निजी सचिवों के सभी पद ।

3. वायुसेना मुख्यालय में एयर मार्शल और उससे ऊपर के और पब्लि / हैसियत में समतुल्य आफिसरों के निजी सचिवों के सभी पद ।

4. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्सेवा संगठनों में लेफ्टिनेन्ट जनरल या समतुल्य और ऊपर की पब्लि / हैसियत के आफिसरों के निजी सचिवों के सभी पद ।

तृतीय अनुसूची

[नियम 3 (2) देखें]

सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की श्रेणी 1 में सम्मिलित कर्तव्य-पद

1. सेना मुख्यालय में मेजर जनरल और समतुल्य पब्लि / हैसियत के आफिसरों के ज्येष्ठ वैयक्तिक सहायकों के सभी पद ।

2. नौसेना मुख्यालय में रियर एडमिरल और समतुल्य पब्लि / हैसियत के आफिसरों के ज्येष्ठ वैयक्तिक सहायकों के सभी पद ।

3. वायुसेना मुख्यालय में एयर वाइस मार्शल और समतुल्य पब्लि / हैसियत के आफिसरों के वैयक्तिक सहायकों के सभी पद ।

4. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्सेवा संगठनों में मेजर जनरल की पब्लि / हैसियत के आफिसरों या समतुल्य आफिसरों के ज्येष्ठ वैयक्तिक सहायकों के सभी पद ।

चतुर्थ अनुसूची

[नियम 4 देखें]

सशस्त्र बल मुख्यालय ग्राह्यलिपिक सेवा की विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी नफरी

श्रेणी	प्राधिकृत स्थायी नफरी
(I) चयन श्रेणी	9
(II) श्रेणी 1	—
(III) श्रेणी 2	428 (जिसमें 39 अवकाश-आरक्षित पद सम्मिलित हैं)

पञ्चम अनुसूची

[नियम 12 (2) देखें]

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (चयन श्रेणी में प्रोन्नति) विनियम, 1970

सशस्त्र बल मुख्यालय सेवा नियम, 1970 के नियम 12 के उपनियम (2) के साथ पठित नियम (21) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) ये विनियम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (चयन श्रेणी में प्रोन्नति) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

7. परिभाषाएँ—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “विभागीय प्रोन्नति समिति” से विनियम 3 के अनुसार गठित समिति अभिप्रेत है ;

(ख) “पात्र आफिसर” से इन नियमों के नियम 12 के अधीन उस वर्ष के प्रथम अक्टूबर को, जिसमें चयन सूची तैयार की गई हो, सेवा की चयन सूची में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने का पात्र आफिसर अभिप्रेत है ;

(ग) “चयन क्षेत्र” से अपने ज्येष्ठता क्रम में रखे गए पात्र आफिसरों की सूची अभिप्रेत है जिनमें से चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए चयन किया जायगा ;

(घ) “नियमों” से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 अभिप्रेत है ;

(ङ) “चयन सूची” से सेवा की चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए योग्य समझे जाने वाले पात्र आफिसरों की सूची अभिप्रेत है जो विनियम 4 के अनुसार तैयार की गई हो।

(2) जो शब्द और पद इन विनियमों में प्रयुक्त हैं और जो इसमें परिभाषित नहीं हैं किन्तु नियमों में परिभाषित हैं उन के वही अर्थ हैं जो नियमों में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।

3.(1) विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन—केन्द्रीय सरकार चयन श्रेणी में प्रोन्नति के लिए चयन करने के लिए एक विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन करेगी जिनमें निम्नलिखित होंगे —

(1) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापना, रक्षा मंत्रालय, का भारसाधक संयुक्त सचिव ;

(II) मुख्य प्रशासनिक आफिसर, रक्षा मंत्रालय; और

(III) सेना मुख्यालय, नौसेना मुख्यालय और वायु सेना मुख्यालय का निदेशक की हैसियत का एक—एक प्रतिनिधि।

(2) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन रक्षा मंत्रालय का भारसाधक संयुक्त सचिव विभागीय प्रोन्नति समिति के सभी अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा।

4. चयन सूची का तैयार किया जाना—(1) यदि किसी वर्ष प्रथम अक्टूबर को चयन श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित आफिसरों की संख्या उपविनियम (2) के अधीन अवधारित

नफरी से कम है तो श्रेणी में प्रोन्नति के लिए चयन सूची हर वर्ष कम से कम एक बार तैयार की जायगी ।

टिप्पण—इन विनियमों के प्रयोजन के लिए सेवा के आरम्भिक गठन पर या तत्पश्चात् चयन श्रेणी में दीर्घकालिक रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अनुमोदित आफिसर तब तक उस श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित माने जायगे जब तक कि विनियम 5 के उपविनियम (3) के अधीन उनके नाम चयन सूची से निकाल न दिए जायें ।

(2) चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले आफिसरों की नफरी केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अध्वारित की जायगी ।

(3) उन आफिसरों के नाम जो चयन श्रेणी में प्रोन्नति के लिए विहित पात्रता की शर्तें पूरी करते हों एकल ज्येष्ठता सूची में रखे जायेंगे ।

(4) चयन क्षेत्र का विस्तार सामान्यतः चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले आफिसरों की संख्या से, जैसा कि विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा विनिश्चित किया जाए, तीन से पांच गुना तक होगा ।

(5) विभागीय प्रोन्नति समिति चयन क्षेत्र में सम्मिलित आफिसरों को जो चयन श्रेणी में नियुक्त के लिए उपयुक्त समझे जायेंगे, गणा गुण के आधार पर "उत्कृष्ट", "बहुत अच्छा" या "अच्छा" के रूप में वर्गीकृत करेगी ।

टिप्पण—अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आफिसरों के मामलों पर विचार करते समय विभागीय प्रोन्नति समिति ऐसे अनुदेशों द्वारा मार्गदर्शित होगी जैसे कि समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए जाएं ।

(6) केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अध्वधीन विभागीय प्रोन्नति समिति की वर्गीकरण से संबंधित सिफारिशों स्वीकार कर ली जायेंगी ।

(7) चयन सूची प्रथमतः उन आफिसरों में से जिन्हें अन्तिम रूप से "उत्कृष्ट" वर्गीकरण किया जाए फिर उनमें से जिन्हें उसी प्रकार "बहुत अच्छा" वर्गीकृत किया जाए, और तत्पश्चात् उनमें से जिन्हें उसी प्रकार "अच्छा" वर्गीकृत किया जाए, नामों की अपेक्षित संख्या सम्मिलित कर के तैयार की जाएगी । प्रत्येक प्रवर्ग के भीतर नाम परस्पर अपने ज्येष्ठता क्रम में रखे जायेंगे ।

(8) उपर्युक्त प्रकार से तैयार की गई चयन सूची मुख्य प्रशासनिक आफिसर, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की जाएगी ।

5. चयन सूची के नामों का हटाया जाना—(1) उपविनियम (3) के अध्वधीन के अपवादों के अध्वधीन, चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित आफिसर उसमें तब तक दर्शित किया जाता रहेगा जब तक कि उसे उस श्रेणी में अध्वष्ठायी रूप से नियुक्त न कर दिया जाए ।

(2) चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित आफिसरों को, जिन्हें उस श्रेणी में नियुक्त नहीं किया जा सकता या जिन्हें, रिक्तियों के अध्वभाव के कारण उससे प्रतिबर्तित कर दिया जाता है, चयन सूची में दर्शित किया जाता रहेगा और सूची में उन्हें दी गई ज्येष्ठता बनी रहेगी ।

(3) निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम चयन श्रेणी के लिए चयन सूची में से हटा दिए जायेंगे —

- (क) उस श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त व्यक्ति ;
- (ख) अन्य सेवा या पद पर अधिष्ठायी रूप से अन्तर्गत व्यक्ति;
- (ग) व व्यक्ति जो मर जाए या सेवान्मोचित हो जाए या जिनकी सेवाएं अन्यथा पर्य-वसित कर दी जाएं;
- (घ) (i) इन नियमों के नियम 15 में विनिर्दिष्ट परीक्षा की कालावधि के पश्चात् चयन श्रेणी में स्थापित व्यक्ति, जिन्हें केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रपील) नियम, 1965 के अधीन विभागीय जांच या कार्यवाही के परिणामस्वरूप उससे प्रतिवर्तित किया जाए;
- (ii) वे व्यक्ति जो, इन नियमों के नियम 15 में विहित चयन श्रेणी में परीक्षा की कालावधि के दौरान या के अन्त में नियमों के नियम 17 के उपनियम (4) के अधीन उससे, चयन श्रेणी में बने रहने के लिए अनुपयुक्तता के आधार पर, प्रतिवर्तित कर दिए जाएं;
- (iii) चयन सूची में परीक्षा पर जब तक प्रोन्नति नहीं हुए व्यक्ति जो, चयन सूची के वार्षिक पुनर्विलोकन पर, उनके चयन सूची में सम्मिलित किए जाने से लेकर उनके अभिलेख या आचरण या दोनों में गिरावट के कारण, अपेक्षित स्तर से नीचे गिरे हुए पाए जाए :

6. ध्यावृत्ति—विनियम, 4 में किसी बात के होते हुए भी, किन्तु विनियम 5 के अध्याधीन इन नियमों के प्रवर्तन में आने से पूर्व पहले ही अनुमोदित चयन श्रेणी में नियुक्त न किए गए आफिसर उस श्रेणी में नियुक्ति के लिए पात्र बने रहेंगे ।

पृष्ठ अनुसूची

[नियम 9(2) (घ) (iii) और 12(3) देखें]

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी 1 में प्रोन्नति) विनियम, 1970

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 12 के उपनियम (3) और नियम 9 के उपनियम (2) (घ) (iii) के साथ पठित नियम 21 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) ये विनियम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी 1 में प्रोन्नति) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएँ—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “विभागीय प्रोन्नति समिति” से विनियम 3 के अनुसार गठित समिति अभिप्रेत हैं ;

- (ख) "पात्र आफिसर" से इन नियमों के नियम 12 के अधीन, उस वर्ष के प्रथम अक्टूबर को जिसमें चयन सूची तैयार की गई हो, सेवा की श्रेणी 1 में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने का पात्र आफिसर अभिप्रेत हैं ;
- (ग) "चयन क्षेत्र" से अपने ज्येष्ठता क्रम में रखे गए पात्र आफिसरों की सूची अभिप्रेत हैं, जिन में से चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए चयन किया जायेगा;
- (घ) "नियमों" से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 अभिप्रेत हैं;
- (ङ) "चयन सूची" से सेवा की श्रेणी 1 में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले पात्र आफिसरों की सूची अभिप्रेत है, जो विनियम 4 के अनुसार तैयार की जाए ।

(2) जो अन्य शब्द और पद इन विनियमों में प्रयुक्त है और इसमें परिभाषित नहीं हैं किन्तु नियमों में परिभाषित हैं उन सबके क्रमशः वही अर्थ समझे जायेंगे जो उन्हें नियमों में दिए गए हैं ।

3. (1) विभागाय प्रौन्नति समिति का गठन । केन्द्रीय सरकार श्रेणी 1 में प्रौन्नति के लिए चयन करने के लिए एक विभागीय प्रौन्नति समिति गठित करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी—

- (i) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापना, रक्षा मंत्रालय का भारसाधक संयुक्त सचिव ;
- (ii) मुख्य प्रशासनिक आफिसर, रक्षा मंत्रालय; और
- (iii) सेना मुख्यालय, नौसेना मुख्यालय और वायु सेना मुख्यालय में से प्रत्येक का, निदेशक की हैसियत का एक एक प्रतिनिधि ।

2. सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापन, रक्षा मंत्रालय, का भारसाधक, संयुक्त सचिव, विभागीय प्रौन्नति समिति के सभी अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा ।

4. चयन सूची का तैयार किया जाना—(1) श्रेणी 1 में प्रौन्नति के लिए चयन सूची प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बार तैयार की जायगी यदि उस वर्ष के प्रथम अक्टूबर की श्रेणी 1 की चयन सूची में सम्मिलित आफिसरों की संख्या उपविनियम (2) के अधीन आधारित नफरी से कम हो ।

टिप्पण—इन विनियमों के प्रयोजन के लिए सेवा के आरम्भिक गठन के समय या उसके पश्चात श्रेणी में दीर्घ कालिक रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुमोदित आफिसरों को उस श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित आफिसर समझा जायगा जब तक कि उनके नाम विनियम 5 के उपविनियम (3) के अधीन चयन सूची से हटा न दिए जायें ।

(2) श्रेणी 1 में सम्मिलित किए जाने वाले आफिसरों की नफरी केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर अध्वारित की जायेगी ।

(3) उन आफिसरों के नाम जो श्रेणी 1 में प्रौन्नति के लिए विहित पात्रता की शर्तों को पूरा कर एकल ज्येष्ठता सूची में रखे जायेंगे ।

(4) चयन क्षेत्र का विस्तार सामान्यतः चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले आफिसरों की संख्या से, जैसा कि विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा विनियमित किया जाए, तीन से पांच गुना तक होगा।

(5) विभागीय प्रोन्नति समिति चयन क्षेत्र में सम्मिलित ऐसे आफिसरों को जो चयन श्रेणी में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे जायें गुणागुण के आधार पर “उत्कृष्ट” “बहुत अच्छा” या “अच्छा” के रूप में वर्गीकृत करेगी।

टिप्पण—अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के आफिसरों के मामलों पर विचार करने समय विभागीय प्रोन्नति समिति ऐसे अनुदेशों द्वारा मार्गदर्शित होगी, जैसे कि समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए जाएं।

(6) केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अध्याधीन विभागीय प्रोन्नति समिति की वर्गीकरण से संबंधित सिकांरिण स्वीकार कर ली जायगी।

(7) चयन सूची प्रथमतः उन आफिसरों में से जिन्हें ‘शरीर’ रूप से “उत्कृष्ट” वर्गीकृत किया जाये, फिर उनमें से जिन्हें उसी प्रकार “बहुत अच्छा” वर्गीकृत किया जाए, और तत्पश्चात् उनमें से जिन्हें उसी प्रकार “अच्छा” वर्गीकृत किया जाए, नामों की अपेक्षित संख्या सम्मिलित करके तैयार की जायगी। नामों को प्रत्येक प्रवर्ग में परस्पर उनके व्येष्टताक्रम में रखा जायेगा।

(8) उपर्युक्त प्रकार से तैयार की गई चयन सूची मुख्य प्रशासनिक आफिसर, रक्षा मंत्रालय, द्वारा जारी की जायगी।

5. चयन सूची में से नामों का हटाया जाना—(1) उप नियम (3) के अधीन के अपवादों के अध्याधीन, श्रेणी 1 के लिए चयन सूची में सम्मिलित आफिसर उससे तब तक दक्षित किया जाता रहेगा जब तक कि उसे उस श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त न कर दिया जाए।

(2) श्रेणी 1 के लिए चयन सूची में सम्मिलित आफिसरों को जिन्हें उस श्रेणी में नियुक्त नहीं किया जा सकता या जिन्हें निश्चित्य के अभाव के कारण उससे प्रतिवर्तित न कर दिया जाता है, चयन सूची में सम्मिलित किया जाता रहेगा और सूची से उन्हें ही गई व्येष्टता बनी रहेगी।

(3) निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम श्रेणी 1 के लिए चयन सूची में से हटा दिए जायेंगे—

(क) उस श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त व्यक्ति;

(ख) श्रम्य सेवा या पद पर अधिष्ठायी रूप से अन्तर्गत व्यक्ति;

(ख) वे व्यक्ति जो मर जाएं या सेवोन्मोचित हो जायें या जिसकी सेवाएं अन्यथा पर्यवसित कर दी जायें;

(ख) (1) इन नियमों के नियम 15 में विनिर्दिष्ट परिर्वक्षों की कालावधि के पश्चात् श्रेणी 1 में स्थानान्तरण व्यक्त जिन्हें केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के अधीन विभागीय जांच या बाहरी के परिणाम स्वरूप उससे प्रतिवर्तित किया जाए;

(11) वे व्यक्ति जो इन नियमों के नियम 15 में विहित श्रेणी 1 में परिर्वक्षा की कालावधि के दौरान या के अन्त में नियमों के नियम 17 के उपनियम

(4) के अधीन उससे, श्रेणी 1 में बने रहने के लिए अनुपयुक्तता के आधार पर, प्रतिबलित कर दिए जाये ।

(iii) श्रेणी 1 में परिवीक्षा पर अब तक प्रोन्नति नहीं हुए व्यक्ति जो चयन सूची के वार्षिक पुनर्विलोकन पर, उनके चयन सूची में सम्मिलित किए जाने से लेकर उनके अभिलेख या आचरण या दोनों में गिरावट के कारण अपेक्षित स्तर से नीचे गिरे हुए पाए जाय ।

6. व्यावृत्ति—विनियम 4 में किसी बात के होते हुए भी, किन्तु विनियम 5 के अध्याधीन, इन नियमों के प्रवर्तन में आने से पूर्व पहले ही अनुमोदित किन्तु श्रेणी 1 में नियुक्त न किए गए आक्रिस्तर उस श्रेणी में नियुक्ति के लिए पात्र बने रहेंगे ।

स्वच्छीकरण दिव्यण

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970

उपरोक्त नियमों को निम्नलिखित कारणों से भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है ।

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा का गठन 1-3-68 से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1968 द्वारा, जो यथाआवश्यक परिवर्तन सहित केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1962 के आधार पर, बनाए गए थे, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के आधार पर किया गया था । 1-8-69, से केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 द्वारा, जिन्होंने केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1962 को अधिक्रान्त किया है, पुनर्गठन किया गया है । परिणामतः पुनर्गठित केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के नमूने पर सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा का पुनर्गठन प्राधिकृत करने वाले सरकारी आदेश रक्षा मंत्रालय के पत्र संख्या 97313/सो ए ओ/डी पी सो/ 490/ ए/डी (स्थापना 1) जो पी-11, तारीख 2-7-70 द्वारा जारी किए गए थे।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 के सावधुष्य पर ओर रक्षा मंत्रालय के तारीख 2-7-70 वाले पत्र में अन्तर्विष्ट आदेशों के अनुसरण में सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 को, जिन्होंने सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1968 को अधिक्रान्त किया है, भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक है ।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी के भी हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[फाइल सं० 97313/सी ए ओ (विप्रोस)]

डी० के० भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव ।

